ऐ अल्लाह, तू मुझे माफ कर दे और मुझपर दया कर तथा मुझे रफ़ीक़-ए- आला (नबियों, शहीदों, सिद्दीक़ों तथा नेक लोगों) से मिला दे।

आइशा (रज़ियल्लाहु अन्हा) फ़रमाती हैं कि मैंने नबी (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) को उस समय यह दुआ पढ़ते हुए सुना, जब आप मेरे शरीर पर टेक लगाए हुए थेः “ऐ अल्लाह, तू मुझे माफ़ कर दे और मुझपर दया कर तथा मुझे रफ़ीक़-ए-आला (नबियों, शहीदों, सिद्दीक़ों तथा नेक लोगों) से मिला दे।”
[सह़ीह़] [इसे बुख़ारी एवं मुस्लिम ने रिवायत किया है।]

http://www.sunnah.global/hadeeth/hi/show/5472